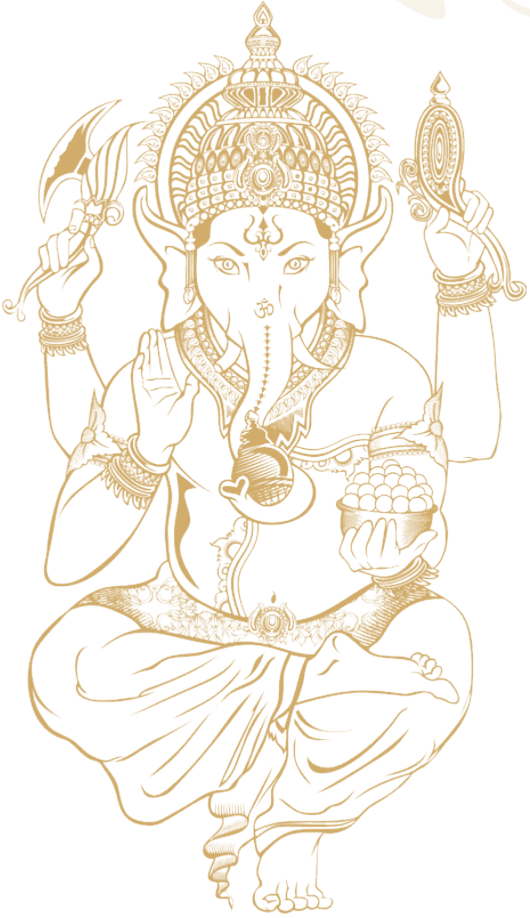

# Sri Chintamani

23 May 1998

01:55 AM

Mahendraganj

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **22-23/05/1998** |
| दिन | शुक्र-शनिवार |
| **जन्म समय** | **01:55:00 घंटे** |
| इष्ट | 52:59:45 घटी |
| **स्थान** | **Mahendraganj** |
| राज्य | Meghalaya |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 25:20:00 उत्तर |
| रेखांश | 89:51:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:29:24 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 02:24:24 घंटे |
| वेलान्तर | 00:03:23 घंटे |
| साम्पातिक काल | 18:25:26 घंटे |
| सूर्योदय | 04:43:05 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:11:41 घंटे |
| दिनमान | 13:28:35 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | ग्रीष्म |
| सूर्य के अंश | 07:42:15 वृष |
| लग्न के अंश | 14:52:09 मीन |

## अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मीन - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **रेवती - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | बुध |
| योग | आयुष्मान |
| करण | तैतिल |
| गण | देव |
| योनि | गज |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सिंह |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | चा-चाणक्य |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मिथुन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मीन | 14:52:09 | 491:53:45 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | राहु | --- |
| सूर्य | | | वृष | 07:42:15 | 00:57:43 | कृतिका | 4 | 3 | शुक्र | सूर्य | केतु | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | मीन | 26:28:17 | 14:47:02 | रेवती | 3 | 27 | गुरु | बुध | गुरु | सम राशि |
| मंगल | | अ | वृष | 05:14:19 | 00:42:48 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | बुध | सम राशि |
| बुध | | | मेष | 18:19:25 | 01:42:35 | भरणी | 2 | 2 | मंगल | शुक्र | राहु | सम राशि |
| गुरु | | | कुंभ | 29:31:47 | 00:09:18 | पू०भाद्रपद | 3 | 25 | शनि | गुरु | चंद्र | सम राशि |
| शुक्र | | | मीन | 27:54:09 | 01:09:19 | रेवती | 4 | 27 | गुरु | बुध | शनि | उच्च राशि |
| शनि | | | मेष | 04:19:16 | 00:06:47 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | चंद्र | नीच राशि |
| राहु | व | | सिंह | 12:46:34 | 00:06:01 | मघा | 4 | 10 | सूर्य | केतु | बुध | शत्रु राशि |
| केतु | व | | कुंभ | 12:46:34 | 00:06:01 | शतभिषा | 2 | 24 | शनि | राहु | बुध | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | मक | 18:53:59 | 00:00:15 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | --- |
| नेप | व | | मक | 08:14:27 | 00:00:35 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | --- |
| प्लूटो | व | | वृश्चि | 13:00:32 | 00:01:38 | अनुराधा | 3 | 17 | मंगल | शनि | राहु | --- |
| दशम भाव | | | धनु | 12:00:15 | -- | मूल | -- | 19 | गुरु | केतु | बुध | -- |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:56

## लग्न-चलित

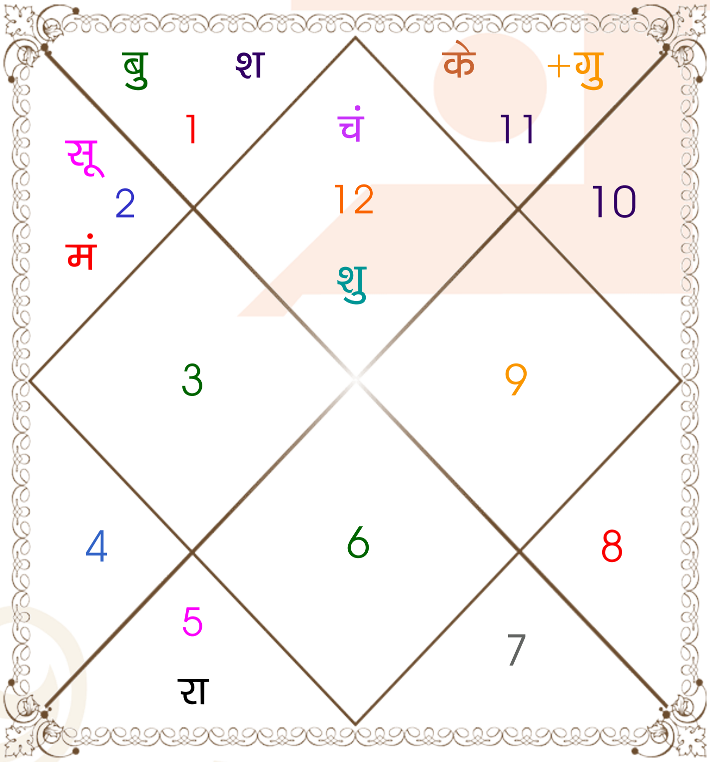


## चन्द्र कुंडली

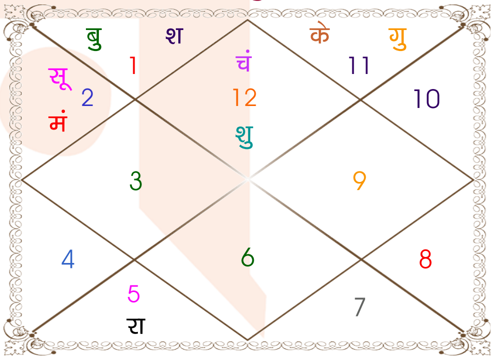


## नवमांश कुंडली

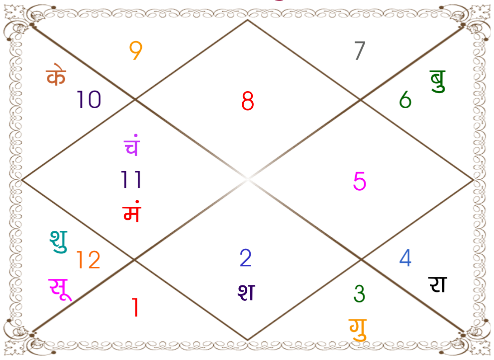

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 5 मास 30 दिन

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **23/05/1998** | | **21/11/2002** | | **21/11/2009** | | **21/11/2029** | | **21/11/2035** | |
| **21/11/2002** | | **21/11/2009** | | **21/11/2029** | | **21/11/2035** | | **21/11/2045** | |
| | 00/00/0000 | केतु | 19/04/2003 | शुक्र | 22/03/2013 | सूर्य | 10/03/2030 | चंद्र | 20/09/2036 |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 18/06/2004 | सूर्य | 22/03/2014 | चंद्र | 09/09/2030 | मंगल | 22/04/2037 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 24/10/2004 | चंद्र | 21/11/2015 | मंगल | 15/01/2031 | राहु | 21/10/2038 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 25/05/2005 | मंगल | 20/01/2017 | राहु | 09/12/2031 | गुरु | 20/02/2040 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 21/10/2005 | राहु | 21/01/2020 | गुरु | 27/09/2032 | शनि | 21/09/2041 |
| | 00/00/0000 | राहु | 09/11/2006 | गुरु | 21/09/2022 | शनि | 09/09/2033 | बुध | 20/02/2043 |
| | 23/05/1998 | गुरु | 16/10/2007 | शनि | 21/11/2025 | बुध | 16/07/2034 | केतु | 21/09/2043 |
| गुरु | 13/03/2000 | शनि | 23/11/2008 | बुध | 20/09/2028 | केतु | 21/11/2034 | शुक्र | 22/05/2045 |
| शनि | 21/11/2002 | बुध | 21/11/2009 | केतु | 21/11/2029 | शुक्र | 21/11/2035 | सूर्य | 21/11/2045 |

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **21/11/2045** | | **20/11/2052** | | **21/11/2070** | | **21/11/2086** | | **22/11/2105** | |
| **20/11/2052** | | **21/11/2070** | | **21/11/2086** | | **22/11/2105** | | **00/00/0000** | |
| मंगल | 19/04/2046 | राहु | 04/08/2055 | गुरु | 08/01/2073 | शनि | 24/11/2089 | बुध | 19/04/2108 |
| राहु | 07/05/2047 | गुरु | 27/12/2057 | शनि | 22/07/2075 | बुध | 03/08/2092 | केतु | 16/04/2109 |
| गुरु | 12/04/2048 | शनि | 02/11/2060 | बुध | 27/10/2077 | केतु | 12/09/2093 | शुक्र | 15/02/2112 |
| शनि | 22/05/2049 | बुध | 22/05/2063 | केतु | 03/10/2078 | शुक्र | 11/11/2096 | सूर्य | 22/12/2112 |
| बुध | 19/05/2050 | केतु | 09/06/2064 | शुक्र | 03/06/2081 | सूर्य | 24/10/2097 | चंद्र | 23/05/2114 |
| केतु | 15/10/2050 | शुक्र | 10/06/2067 | सूर्य | 22/03/2082 | चंद्र | 26/05/2099 | मंगल | 20/05/2115 |
| शुक्र | 15/12/2051 | सूर्य | 03/05/2068 | चंद्र | 22/07/2083 | मंगल | 04/07/2100 | राहु | 07/12/2117 |
| सूर्य | 21/04/2052 | चंद्र | 02/11/2069 | मंगल | 27/06/2084 | राहु | 11/05/2103 | गुरु | 24/05/2118 |
| चंद्र | 20/11/2052 | मंगल | 21/11/2070 | राहु | 21/11/2086 | गुरु | 22/11/2105 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 5 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।